

फार्म

*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष 2016

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा सका नाम, जिसमें वह हो रमशंकर कौति 2. वर्तमान धारित पद उपर्युक्त लंबाइना
 3. वर्तमान वेतन ₹. 24,82,00/- + G.P. 6600/- + 119/- D.A. कुल ₹. 28,481,05/- 3. अगली वेतनवृद्धि की तारीख 1/7/2016 4. वर्तमान धारित पद उपर्युक्त लंबाइना
कौति, नाम पद एवं विवरण
(यांत्रिक प्रमाण प्राप्ति)

उस जिले, उप संभाग, तालुका, तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्योरे		**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
<u>मापांक</u> ①	<u>रमशंकर कौति</u> <u>नाम पद एवं विवरण</u> <u>लंबाइना शासकीय प्रतिवेदन</u>	<u>गृह भवन 15.0</u> <u>भूमि करोड़ 1.00</u>	<u>रमशंकर कौति</u> <u>नाम (भूमि)</u> <u>शासकीय प्रतिवेदन</u>	<u>कृपदवाय फि. 31/12/2014</u> <u>कृपदवाय फि. 26/2/2015</u> <u>कृपदवाय फि. 26/2/2015</u>	<u>कृपदवाय फि. 31/12/2014</u> <u>कृपदवाय फि. 26/2/2015</u> <u>कृपदवाय फि. 26/2/2015</u>	—	<u>परनाइसाम</u> <u>दमाइ कृपदवाय</u> <u>विक्षाल प्रामाण</u> <u>गाँधी ३७६२ लाल</u>
<u>मापांक</u> ②	<u>भवन 13.0</u> <u>नारापणनगर</u> <u>हांवाद राज</u>	<u>भवन 1.00</u> <u>भूमि करोड़ 0.00</u>	<u>रमशंकर कौति</u> <u>भवन</u>	<u>कृपदवाय फि. 26/2/2015</u>	<u>कृपदवाय फि. 26/2/2015</u>	—	<u>परनाइसाम</u> <u>दमाइ कृपदवाय</u> <u>विक्षाल प्रामाण</u> <u>गाँधी ३७६२ लाल</u>
<u>प्रथम नियुक्ति का नाम</u> <u>जिला-कृष्णनगर</u> <u>उपर्युक्त</u>	<u>इथो</u> <u>भूमि</u>	<u>इथो</u> <u>भूमि करोड़ 3.00</u>	—	—	—	<u>परनाइसाम</u> <u>दमाइ कृपदवाय</u> <u>विक्षाल प्रामाण</u> <u>गाँधी ३७६२ लाल</u>	<u>परनाइसाम</u> <u>दमाइ कृपदवाय</u> <u>विक्षाल प्रामाण</u> <u>गाँधी ३७६२ लाल</u>

* जहां लागू न हो काट दीजिए।

** ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

*** इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी:- मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि के पश्चात् यह धोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व की स्था उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में गिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अचल सम्पत्ति के ब्यारे दें।

हस्ताक्षर 
 नाम रमशंकर कौति
 पद उपर्युक्त,
लंबाइना नाम पद एवं विवरण,
मापांक